विद्याभवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

कक्षा – षष्ठ **दिनांक -28 - 02 - 2021**

विषय -हिन्दी **विषय शिक्षक -पंकज कुमार**

एन, सी, ई, आरटी, पर आधारित

सुप्रभात बच्चों आज सर्वनाम के बारे में अध्ययन करेंगे।

सर्वनाम की परिभाषा

" वह शब्द जो संज्ञा के बदले में आए उसे सर्वनाम कहते हैं।"
जैसे – ' मैं ' , ' तुम ' , ' हम ' , ' वह ' , ' आप ' , ' उसका ' , ' उसकी ' , ' वह ' आदि।
इसके शाब्दिक अर्थ को समझें तो यही प्रतीत होता है कि " सबका नाम " यह शब्द किसी व्यक्ति विशेष के द्वारा प्रयुक्त ना होकर सबके द्वारा प्रयुक्त होते हैं। किसी एक का नाम ना होकर सबका नाम होते हैं। " मैं " का प्रयोग सभी व्यक्ति अपने लिए करते हैं। अतः मैं किसी एक का नाम ना होकर सबका नाम है।

इसके छह भेद हैं –

1. **पुरुषवाचक**
2. **निश्चयवाचक**
3. **अनिश्चयवाचक**
4. **संबंधवाचक**
5. **प्रश्नवाचक**
6. **निजवाचक**

यह थे भेद , अब आगे आप पढ़ेंगे सभी भेदों का पूरा विस्तार |

1 पुरुषवाचक सर्वनाम

- **उसने मुझे बोला था कि तुम पढ़ रही हो।**

उपर्युक्त वाक्य को ध्यान से देखने पर पता चलता है कि , इस वाक्य में तीन तरह के पुरुषवाचक शब्द आए हैं। " उसने " , " मुझे " और " तुम " अतः स्पष्ट होता है कि , पुरुषवाचक तीन प्रकार के होते हैं १ उत्तम पुरुष , २ मध्यम पुरुष व ३ अन्य पुरुष।

१ उत्तम पुरुष –

वक्ता जिन शब्दों का प्रयोग अपने स्वयं के लिए करता है , उन्हें उत्तम पुरुष कहते हैं। जैसे – मैं , हम , मुझे , मैंने , हमें , मेरा , मुझको , आदि।

- **मैं कल सुबह नानी के घर जाऊंगा।**
- **मैं कक्षा चार में पढता हु।**
- **मेरा नाम राम है।**
- **मेरे पास चार पेंसिल है।**
- **मैंने खाना खा लिया।**
- **मुझे पता है पिताजी विद्यालय गए है।**
- **मेरा घर दिल्ली में है।**
- **हमे कुछ देर और खेलना चाहिए।**
- **हम सब दोस्त खूब खेलते है।**
- **मुझे आम पसंद है।**

२ मध्यम पुरुष –

श्रोता ' संवाद ' करते समय जिन सर्वनाम शब्दों का प्रयोग करता है उन्हें मध्यम पुरुष कहते हैं – जैसे – तू , तुम , तुमको , तुझे , आप , आपको , आपके आदि।

- **तू राम का भाई है।**
- **तुम कल स्कुल जाओगे।**
- **तुम मेरे घर आना हम साथ मिल कर चलेंगे।**
- **तुमको अपने घर जाना चाहिए।**
- **तुझे पता भी है मेरे पास कितने पैसे है।**
- **आप बाजार से मेरे लिए फल लाना**
-